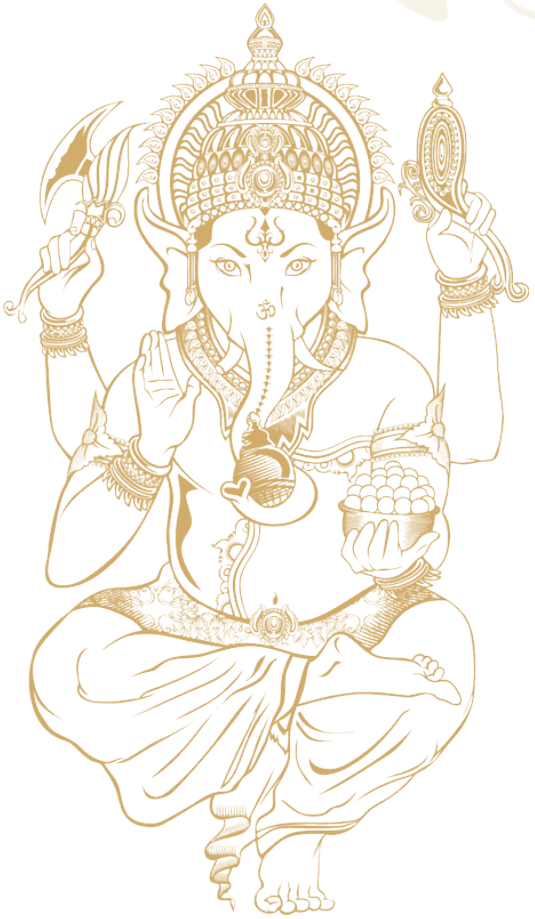

Poonam

16 Apr 1993

04:43 AM

Sikar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121163202

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**15-16/04/1993**
दिन	गुरु-शुक्रवार
जन्म समय	**04:43:00 घंटे**
इष्ट	56:35:27 घटी
स्थान	**Sikar**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	27:51:00 उत्तर
रेखांश	75:14:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:29:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:13:56 घंटे
वेलान्तर	-00:00:04 घंटे
साम्पातिक काल	17:50:23 घंटे
सूर्योदय	06:04:49 घंटे
सूर्यास्त	18:53:56 घंटे
दिनमान	12:49:08 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	02:12:57 मेष
लग्न के अंश	02:50:32 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**धनिष्ठा - 1**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	शुभ
करण	वणिज
गण	राक्षस
योनि	सिंह
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	गा-गामिनी
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	02:50:32	509:56:29	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	---
सूर्य			मेष	02:12:57	00:58:43	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	उच्च राशि
चंद्र			मक	26:09:10	11:56:27	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	गुरु	सम राशि
मंगल			कर्क	00:44:01	00:26:16	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	मंगल	नीच राशि
बुध			मीन	06:41:07	01:22:44	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	नीच राशि
गुरु	व		कन्या	13:58:18	00:07:02	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र	व		मीन	10:51:28	00:16:05	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	सूर्य	उच्च राशि
शनि			कुंभ	04:10:37	00:04:54	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	मूलत्रिकोण
राहु	व		वृश्चि	19:39:27	00:03:57	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	शुक्र	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	19:39:27	00:03:57	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	सम राशि
हर्ष			धनु	28:22:40	00:00:32	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	---
नेप			धनु	27:22:18	00:00:14	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	---
प्लूटो	व		वृश्चि	01:08:10	00:01:24	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	मंगल	---
दशम भाव			धनु	04:01:54	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:46:04

लग्न-चलित

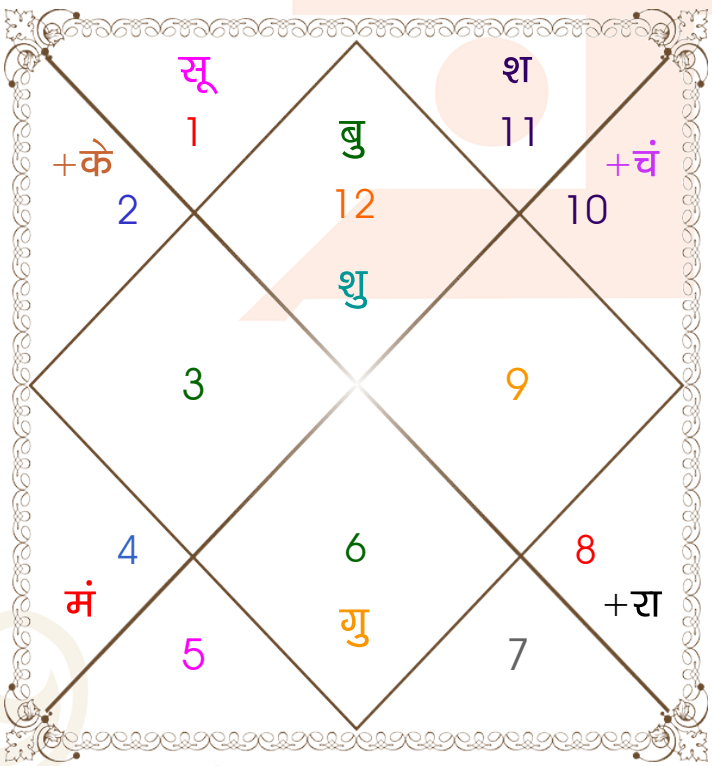

चन्द्र कुंडली

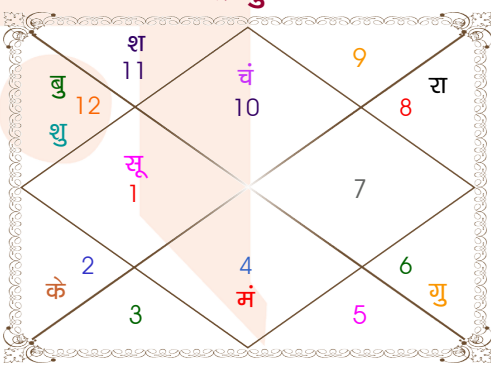

नवमांश कुंडली

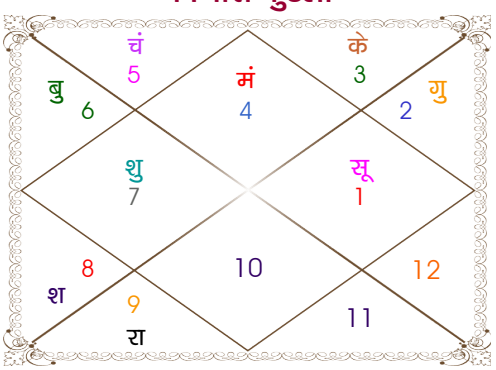

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 5 वर्ष 6 मास 7 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
16/04/1993		23/10/1998		22/10/2016		22/10/2032		23/10/2051	
23/10/1998		22/10/2016		22/10/2032		23/10/2051		22/10/2068	
	00/00/0000	राहु	05/07/2001	गुरु	11/12/2018	शनि	26/10/2035	बुध	21/03/2054
	16/04/1993	गुरु	29/11/2003	शनि	23/06/2021	बुध	05/07/2038	केतु	18/03/2055
गुरु	15/03/1994	शनि	05/10/2006	बुध	29/09/2023	केतु	14/08/2039	शुक्र	16/01/2058
शनि	23/04/1995	बुध	23/04/2009	केतु	04/09/2024	शुक्र	14/10/2042	सूर्य	22/11/2058
बुध	20/04/1996	केतु	11/05/2010	शुक्र	06/05/2027	सूर्य	26/09/2043	चंद्र	23/04/2060
केतु	16/09/1996	शुक्र	11/05/2013	सूर्य	22/02/2028	चंद्र	26/04/2045	मंगल	20/04/2061
शुक्र	16/11/1997	सूर्य	05/04/2014	चंद्र	23/06/2029	मंगल	05/06/2046	राहु	07/11/2063
सूर्य	24/03/1998	चंद्र	05/10/2015	मंगल	30/05/2030	राहु	11/04/2049	गुरु	12/02/2066
चंद्र	23/10/1998	मंगल	22/10/2016	राहु	22/10/2032	गुरु	23/10/2051	शनि	22/10/2068

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
22/10/2068		23/10/2075		23/10/2095		24/10/2101		24/10/2111	
23/10/2075		23/10/2095		24/10/2101		24/10/2111		00/00/0000	
केतु	20/03/2069	शुक्र	22/02/2079	सूर्य	10/02/2096	चंद्र	24/08/2102	मंगल	21/03/2112
शुक्र	21/05/2070	सूर्य	22/02/2080	चंद्र	10/08/2096	मंगल	25/03/2103	राहु	09/04/2113
सूर्य	25/09/2070	चंद्र	23/10/2081	मंगल	16/12/2096	राहु	23/09/2104	गुरु	17/04/2113
चंद्र	26/04/2071	मंगल	23/12/2082	राहु	10/11/2097	गुरु	23/01/2106		00/00/0000
मंगल	23/09/2071	राहु	22/12/2085	गुरु	29/08/2098	शनि	24/08/2107		00/00/0000
राहु	10/10/2072	गुरु	22/08/2088	शनि	11/08/2099	बुध	23/01/2109		00/00/0000
गुरु	16/09/2073	शनि	23/10/2091	बुध	17/06/2100	केतु	24/08/2109		00/00/0000
शनि	26/10/2074	बुध	23/08/2094	केतु	23/10/2100	शुक्र	24/04/2111		00/00/0000
बुध	23/10/2075	केतु	23/10/2095	शुक्र	24/10/2101	सूर्य	24/10/2111		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 5 वर्ष 6 मा 9 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मीन लग्न में हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर कर्क राशि का नवमांश एवं मीन राशीय द्रेष्काण भी उदित हुआ था। इसके द्वारा यह स्पष्ट हो रहा है कि आप भावुक एवं स्वेच्छाचारी प्रवृति की प्राणी हैं। आपका जन्मफल ऐसा सूचित कर रहा है कि आपका जीवन अत्यंत आनंद पूर्वक अपने प्रेमी एवं सुरा से युक्त जीवन यापन करेंगी। अर्थात् आपको सुरा और सुन्दर से लगाव रहेगा।

आप प्रेम लीला को प्रथम सर्वोच्च स्थान देती हैं। आप सुंदर, मनोहर, प्रतिभाशाली एवं बुद्धिमान पुरुष को पसंद करती हैं। आपके जीवन का उद्देश्य एवं मुख्य अभिरूचि प्रेम-संबंध स्थापित करना है। इसके पश्चात अति धनी बनने के प्रति अभिरूचि रखेंगी। आपको अपने जीवन साथी के चयन हेतु कन्या एवं कर्क राशि या जन्म लग्न के जातकों में से किसी का भी चयन करना चाहिए।

आपका संबंध आपको बिस्तर पर लेटने वाले साथी के साथ रहेगा। इसके पश्चात् आप अन्यों के साथ भी मिलती जुलती अर्थात् सम्मिलित रहेंगी। आप दोनों पक्ष के लिए सशंकित रहोगी। यदि आप इर्ष्यायुक्त होकर अपने विचार से किसी को निर्वासित कर दी तो आप बहुत आनंदपूर्वक घरेलू जीवन व्यतीत कर सकेंगी तथा अच्छी प्रकार प्रिय संतान से युक्त हो जाओगी।

आपका अन्य पक्ष यह है कि आप सतर्कता पूर्वक अपने मित्रों का चयन करने में अग्रसर होंगी। इसके पश्चात आप वहिर्गामी हो कर विश्वसनीयता एवं तत्परता से युक्त होंगे। इसके पश्चात आप मन ही मन यह अनुभव करोगी कि वे लोग आपकी कार्य-योजना में आपके साथ कोई धोखा धड़ी किए है। इस प्रकार की संभावित घटनाओं के पूर्व मित्रमंडली का उत्कर्षण आवश्यक है। उत्कर्षित मित्र बनाना भी नितांत आवश्यक है।

आप बुद्धिमत्ता पूर्वक धन उपार्जन कर, धन प्रदान करेंगी। आप धन का संचय कर व्यवसाय कर सकती हों। आप अपने लिए सुगमता पूर्वक धन प्राप्त करने के सुगम पथ का परित्याग कर कठिन श्रम से अपने कर्म उद्देश्य के प्रति समर्पण की भावना से युक्त होंगी। अब के बाद निश्चित रूप में मद्यपान के प्रति अपनी आशक्ति रोगादि को आमंत्रित करेंगी। जैसे गैस्टिक दिक्कते, क्षय रोगादि। हृदय संबंधी दिक्कतों से सदैव आक्रांत रहेंगी। आप अपने उत्तम स्वास्थ्य हेतु निश्चित रूप से मद्यपान का परित्याग करें। इस प्रवृति को स्वीकार करने से आपकी आलोचना होगी। अतएव मद्यपायी प्रवृति को त्याग दें।

मीन राशि वाले द्वि स्वाभात्मक प्राणी होते है। आप अन्यों के विचार से एक पहेली है जैसा कि अपने लिए भी हैं। कई बार अन्य लोग आपके बारे में समझ नहीं पाते है। वे लोग आपके लक्ष्य के संबंध में नहीं समझ पाते हैं। आपकी विभिन्न अवस्थाओं का मूल्यांकन करना उनके लिए सरल नहीं है। आप सदैव कल्पना लोक में विचरण करती हो। इस प्रकार की बातों का सत्यता से कोई संबंध नहीं है। यह आपकी समस्याओं को स्वीकार करता है। अतएव आप अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए एकदम आश्वस्त नहीं है। आप इस प्रकार अनिश्चित एवं

हतोत्साहित हो सकती हैं। फलस्वरूप आप पीछे रह जाओगी तथा आपका विश्वास दूसरों के द्वारा सामंजस्य पूर्ण बन जाएगा तथा प्रतिज्ञा करना पड़ेगा। इस प्रकार आप अपनी अभिलाषा के अनुरूप सुव्यवस्थित हो कर निश्चित रूप से आरामदायक जीवन व्यतीत कर सकेंगी।

मीन राशीय प्रभाव के पीछे केंद्रीय बिंदु यह है कि आप गुह्य विद्या, रहस्यात्मक, व्यापार संघ, ध्यान साधना एवं मनोवैज्ञानिक के रूप में व्यवसाय अपना सकती हैं। मीन राशीय प्रभाव से आप धार्मिक कार्य के पीछे समर्पित रहेंगी तथा धर्म नेता के रूप में उत्सुक हो कर माननीय बंधन से मुक्त हो सकती हैं। आपका अंतिम लक्ष्य आपकी कल्पना शक्ति के अनुसार मोक्ष प्राप्त करना अथवा उद्धार हो कर यथार्थ रूप से सामरिक अस्तित्व को पुनः प्राप्त नहीं करें। अर्थात् पुर्नजन्म न हो ऐसा है।

आप अपनी बुद्धि के अनुसार चाहे जो भी उसी कार्य के प्रति पीछे पड़ जाती हैं तथा कठिन श्रम करेंगी तथा संबंधित लाभांश भी प्राप्त करेंगी। आपके लिए काल्पनिक अर्थात् आदर्श कार्य व्यवसाय, प्रशासनिक पदाधिकारी अथवा सरकारी विभाग उपयुक्त है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में रविवार, गुरुवार, मंगलवार का दिन उच्चस्तरीय अनुकूलता से युक्त है। परंतु इसके अतिरिक्त बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए अनुकूल अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक भाग्यशाली हैं। परंतु 8 अंक सर्वथा प्रतिकूल हैं।

आपके लिए लाल, गुलाबी, नारंगी एवं पीला रंग सुखद एवं लाभदायक है, परंतु रंग हरा, क्रीम एवं सफेद रंग आपके जीवन साथी के लिए अनुकूल है। आप नीले रंग का व्यवहार न करें।